

करंट क्राइम

सिर्फ सच...

03

● नई दिल्ली। सोमवार 17 मार्च -2025

दिल्ली व गाजियाबाद से एक साथ प्रकाशित



समर्पित कार्यकर्ता को मिला मेहनत और कर्मठता का इनाम

महानगर अध्यक्ष पद के लिए घोषित हुआ मयंक गोयल का नाम



गाजियाबाद, करंट क्राइम। आखिरकार भाजपा महानगर अध्यक्ष पद की घोषणा हो गई और जब महानगर अध्यक्ष पद के लिए नाम फाईनल हुआ तो यही संदेश आया कि कर्मठता और सक्रियता का इनाम मिला है और मयंक गोयल को सही मायनों में उनकी सियासी विरासत नहीं बल्कि सियासी कर्मठता का पुरस्कार मिला है। मयंक गोयल जिस परिवार से आते हैं इस परिवार की भाजपा में अपनी एक विशेष पहचान है। ये परिवार संघ परिवार माना जाता है और कहा तो यहां तक जाता है कि भाजपा में कोई भी सियासी हलचल

होती है तो उसकी आहट यहां तक जरूर आती है। कई बड़े फैसलों में इस परिवार की भी दखल रहती है। ये परिवार भाजपा के प्रति अपने समर्पण के लिए जाना जाता है। एक पहचान इस परिवार की है। शहर की प्रथम महिला मेयर रहें दमयंती गोयल के निधन के बाद से कई बार यहां इस विरासत की बात होती है। लेकिन विरासत से पहले यहां मयंक गोयल की कर्मठता की विरासत की बात होगी। वो हर चुनाव में हर आंदोलन में एक्टिव रहे हैं ये उनकी अपनी विरासत है और सबसे बड़ी बात ये है कि कई बार मयंक गोयल

गैर विवादित चेहरा हैं और जानते हैं संगठन चलाने की बारीकियां
करंट क्राइम। मयंक गोयल के अध्यक्ष बनने के बाद से ही कार्यकर्ताओं में उत्साह का माहौल व्याप्त है। दरअसल मयंक गोयल मूल रूप से कार्यकर्ता हैं और संघ के संस्कारों की छुट्टी उन्हें बचपन से ही मिली है। सभी के साथ सहज रहते हैं और सामंजस्य बनाकर चलते हैं। एक गैरविवादित चेहरा हैं और सेवा भाव के साथ काम करते हैं। कोरोना काल में उनके यहां से भी मदद की एक मुहिम चली थी। जब उन्होंने आवसीजन से लेकर राशन तक उपलब्ध कराया था। जाने कितने लोगों की उन्होंने बंद मुड़ी से मदद की थी। ये सेवा भाव उनके पूरे परिवार में मौजूद है। लिहाजा मयंक गोयल सबको साथ लेकर चलेंगे, ये खुली सी बात है और बड़ी बात ये है कि मयंक गोयल संगठन की बारीकियां भी जानते हैं। संगठन में अलग अलग पदों पर रहे हैं। इसलिए उन्हें संगठन से जुड़ी की चीजों का पता है और जो लोग उन्हें जानते हैं वो ये भी जानते हैं कि मयंक गोयल अपनी बात को हमेशा सहज और सरल तरीके से कहते हैं। लेकिन बात अगर अना पर आ गई तो फिर वो अड़ना भी जानते हैं। कार्यकर्ता की लड़ाई लड़ते हैं, कार्यकर्ता के साथ खड़े होते हैं और कविनगर थाने में जब संघ कार्यकर्ता के सम्मान की बात थी तो ये मयंक गोयल थे जिन्होंने कार्यकर्ता के सम्मान में खुद पर मुकदमा दर्ज होना भी स्वीकार कर लिया था। लिहाजा ऐसे में ये माना जा सकता है कि कार्यकर्ताओं का अध्यक्ष ही महानगर अध्यक्ष बना है। एक बड़े कंपटीशन के बीच उन्होंने अपनी जगह बनाई है। अगर वैश्य समाज की बात करें तो गोपाल अग्रवाल, पवन गोयल, यहां दावेदार थे तो मानसिंह गोस्वामी, प्रेम त्यागी जैसे नाम भी मौजूद थे और इन सब नामों के मंथन से मयंक गोयल का नाम आया। ये एक बड़ी उपलब्धि है। अब मयंक गोयल पर सबकी निगाहें रहेंगी कि वो इस नई पारी को कैसे खेलेंगे। कहा जाता है कि कोर में किसी ने उनके नाम पर लंबी लाइन खींची थी लेकिन अब मयंक गोयल ने अध्यक्ष बनने के बाद इस लाइन को बड़ा किया है और अब वो अध्यक्ष वाली पारी में कितना सफल होते हैं, कितना लोकप्रिय होते हैं ये देखा जायेगा।

टिकट मिलते मिलते रह गया तो कई बार पद मिलते मिलते रह गया। लेकिन इन सबके बावजूद भी मयंक गोयल ने कभी एक शब्द भी जुबान से नहीं निकाला। पूरी तरह से समर्पित कार्यकर्ता भाव में डूब कर चुनाव लड़वाया। ये उन्होंने अपने व्यक्तित्व की, अपनी कर्मठता की पूंजी कमाई है। उन्होंने कई बार विधानसभा टिकट की दावेदारी की लेकिन हर बार उनका नाम लिस्ट

से बाहर हो गया। कई बार वो अध्यक्ष पद की दावेदारी में आये लेकिन उनका नंबर नहीं आया। मगर सक्रिय और मेहनतकश कार्यकर्ता के रूप में मयंक गोयल लगे रहे और वो दिन भी आया जब राहें उनके स्वागत में खुल गईं। मयंक गोयल को क्षेत्रीय उपाध्यक्ष के रूप में कार्य करने का मौका मिला। वो महानगर की टीम में भी रहे लेकिन कप्तान वाली पारी वो अब पहली बार खेलेंगे।

संजीव शर्मा ने अध्यक्ष वाली पारी में खींची है एक लंबी लाइन

मयंक के लिए कप्तान के रूप में होगी कई बड़ी चुनौतियां सामने
गाजियाबाद करंट क्राइम। मयंक गोयल को अध्यक्ष पद की कमान मिली है और फिलहाल उनके सामने कोई चुनाव नहीं है। लेकिन अगर अध्यक्ष कार्यकाल की तुलना करें तो महानगर अध्यक्ष के रूप में संजीव शर्मा ने डबल पारी खेलते हुए एक बड़ी लाइन खींची है। संजीव शर्मा ने अपने कार्यकाल में प्रधानमंत्री से लेकर मुख्यमंत्री के कई सफल कार्यक्रम आयोजित कराये। कई बैठकों का आयोजन हुआ और लोकसभा से लेकर विधानसभा के चुनाव भी देखे। संजीव शर्मा ने कप्तान वाली पारी खेलते हुए जहां टीआरपी की ट्राफी अपने नाम की, वहीं उन्होंने एक रिकार्ड ये भी बनाया कि उनके कार्यकाल में कोई विवाद नहीं हुआ। वो एक ऐसे अध्यक्ष रहे जो जनमुझे पर भी सामने आये और कार्यकर्ता की लड़ाई लड़ने के लिए भी आगे रहे। मयंक गोयल के सामने संजीव शर्मा ने ये एक लंबी लाइन खींची है और यहां मयंक गोयल के लिए कई चुनौतियां रहेंगी। उन चुनौतियों में बड़ी चीज तो यही है कि वो संजीव शर्मा की पुरानी टीम से कितने चेहरों को लेंगे। यहां पर ये भी देखा होगा कि सांसद और विधायकों की कितनी सफाई उनके यहां मान्य होगी। सांसद, विधायकों के नामों को वो कितनी मान्यता देंगे। लिहाजा यहां समायोजन को लेकर मयंक गोयल को काफी मेहनत चिंतन करना होगा। ऐसे में वो किस तरह से इस चुनौती से पार पायेंगे, ये देखने की बात है। हालांकि मयंक गोयल सभी को साथ लेकर चलने वाले नेता हैं और सम्मान उनके व्यक्तित्व का हिस्सा है। सामने वाले का सम्मान करना जानते हैं और उन्हें ये भी पता है कि किसको कहां स्थान देना है। ऐसे में ये देखा न रोचक रहेगा कि सांसद अतुल गर्ग, मेयर सुनीता दयाल और कैबिनेट मंत्री सुनील शर्मा की पुरोकारी को वो कितनी तबज्जो देंगे।



लखनऊ-दिल्ली को रहती है गाजियाबाद से उम्मीद : अतुल गर्ग



करंट क्राइम। सांसद अतुल गर्ग मंच पर मौजूद थे, वह सिद्धार्थ नाथ के बारे में बोल रहे थे कि वह उम्र में अतुल गर्ग से छोटे हैं। पर राजनीतिक अनुभव और उनका ज्ञान अधिक है। इसके बाद मंच से सांसद अतुल गर्ग ने कहा कि दिल्ली और लखनऊ की गाजियाबाद से बहुत उम्मीद रहती है। उन्होंने कहा कि बीते दिनों दिल्ली के चुनाव में हजारों कार्यकर्ता ऐसे थे जो चुनाव में दिनभर काम व मेहनत करते थे और खाना भी बांधकर या होटल में साथ ही करते थे।

जब सिद्धार्थ नाथ ने अतुल गर्ग को दिल्ली में 26 साल बाद कमल खिलाने के लिए दी बधाई

करंट क्राइम : संगठन के चुनाव में महानगर और जिलाध्यक्ष के पद की घोषणा रविवार को होनी थी। महानगर अध्यक्ष पद की घोषणा करने के लिए भाजपा के सांसद सिद्धार्थ नाथ पहुंचे हुए थे। सिद्धार्थ नाथ ने कहा कि दिल्ली में जिस तरीके से 26 साल बाद कमल खिलाने का जो काम किया गया है, उसमें सांसद अतुल गर्ग का बहुत बड़ा योगदान है। उन्होंने कहा कि अतुल गर्ग राजनीति में भी उनसे बड़े हैं और उम्र में भी उनसे बड़े हैं।



अतुल गर्ग ने दी मयंक गोयल को बधाई और मंच से कही बड़ी बात

करंट क्राइम : महानगर अध्यक्ष पद के लिए मयंक गोयल की घोषणा हुई। उससे पहले माइक पर अतुल गर्ग को आमंत्रित किया गया था। वहीं सांसद अतुल गर्ग जैसे ही माइक पर बोलने पहुंचे तो उनका माइक खामोश हो गया। माइक चालू हुआ तो उन्होंने माइक वाले को धन्यवाद दिया। जिसके बाद उन्होंने कहा कि पार्टी का मजबूत बनाने के लिए सभी ने मेहनत की है और यह प्रयास आगे भी जारी रहेगा। इसके बाद उन्होंने कहा कि अब जो भी अध्यक्ष बनेगा, उसके लिए मैं एक ही बात कहता हूँ कि वो तुमको हो पसंद वही बात करेंगे। तुम दिन को अगर रात कहो हम रात कहेंगे। इसके बाद फिर मौके पर मौजूद लोगों ने कार्यक्रम स्थल पर ताली बजानी शुरू कर दी।



पूर्व मेयर आशु वर्मा और अतुल गर्ग आए थे एक ही गाड़ी में साथ

करंट क्राइम : भाजपा महानगर अध्यक्ष पद की घोषणा होनी थी, कार्यक्रम राजनगर एक्सटेंशन स्थित गोल्डन व्यू रिसोर्ट में था। इस दौरान सांसद अतुल गर्ग के साथ उनकी गाड़ी में राजेंद्र मित्तल मेहंदी वाला और पूर्व महापौर आशु वर्मा साथ थे। तीनों ने एट्टी साथ ली और कई विषयों पर इस दौरान वार्ता भी करते रहे।

वो कार्यक्रम में नहीं दिए दिखाई, पर सोशल मीडिया पर दी बधाई

करंट क्राइम : भाजपा के महानगर अध्यक्ष पद की घोषणा राजनगर के गोल्डन व्यू रिसोर्ट में सांसद सिद्धार्थ सिंह कर रहे थे। इस दौरान उत्तर प्रदेश सरकार के कैबिनेट मंत्री सुनील शर्मा नजर नहीं आए। तो वहीं उत्तर प्रदेश सरकार के स्वतंत्र प्रभार राज्य मंत्री नरेंद्र कश्यप भी नहीं दिखाई। इसके साथ ही शहर विधायक संजीव शर्मा भी मौजूद नहीं थे, लेकिन जैसे ही महानगर अध्यक्ष बनाए जाने की घोषणा मयंक अग्रवाल के रूप में हुई कुछ देर बाद ही सोशल मीडिया पर शहर विधायक संजीव शर्मा ने मयंक गोयल की फोटो के साथ बधाई वाला संदेश डाला। तो फिर कैबिनेट मंत्री सुनील शर्मा ने अपनी फोटो के साथ मयंक गोयल को बधाई देने वाला पोस्ट किया। इसके साथ ही स्वतंत्र प्रभार राज्य मंत्री नरेंद्र कश्यप ने भी नवीनविक्रम भाजपा अध्यक्ष मयंक गोयल को सोशल मीडिया के जरिए बधाई दी।



लंबे समय से उठ रहे थे अध्यक्ष पद की घोषणा के कयास

करंट क्राइम : बीते लगभग तीन महीने से अधिक का समय होने के बाद आखिरकार भाजपा महानगर अध्यक्ष की मयंक गोयल के रूप में घोषणा हुई। बीते लगभग तीन महीने से भाजपा महानगर अध्यक्ष पद का नया चेहरा कौन होगा, इसकी सर गर्मियां चल रही थी। तमाम तरीके के कास्ट और अन्य फैक्टर भी चल रहे थे। अंतिम नाम की चर्चा में कई फेस भी दौड़ में रहे लेकिन अंतिम रस मयंक गोयल ने जीतकर भाजपा महानगर अध्यक्ष पद की कमान संभाल ली और पूरा मामला उनके पक्ष में नजर आया।

जब हुई मयंक के नाम की घोषणा तो उठी ठाकुर समाज में ये आवाज

क्या धीरे-धीरे हो रहा है बिरादरी का पता साफ

गाजियाबाद, करंट क्राइम। राजनीति में भले ही बात सबको साथ लेकर चलने की होती है लेकिन साथ वाले तराजू में जातीय संतुलन भी साधा जाता है और इस तराजू का असर ये है कि टिकट के मामलों में ये संतुलन पड़ोस वाले जिलों पर भी असर डालता है। संगठन पर असर डालता है। गाजियाबाद में जब महानगर अध्यक्ष पद के लिए मयंक गोयल के नाम की घोषणा हुई तो ये आवाज उठी कि क्या भाजपा की राजनीति से ठाकुर समाज का मामला धीरे धीरे साफ हो रहा है। क्योंकि ये आवाज उठ रही है कि भाजपा ने वैश्य समाज को तबज्जो दी है और कहीं ना कहीं ठाकुर समाज झगड़ हो गया है। गाजियाबाद के इतिहास की बात करें तो यहां भाजपा संगठन से लेकर चुनाव तक



वो गिना रहे हैं नाम और पूछ रहे हैं कहां है ठाकुर समाज

करंट क्राइम। ठाकुरों के बीच अब ये चर्चा शुरू हो गई है कि आखिर हमारी भागीदारी कहां है। जनरल वीके सिंह ने लगातार दो पारी खेली और उसके बाद फिर ठाकुर कोटे से कोई विधायक, सांसद, एमएलसी नहीं बना। ठाकुर लॉबी बता रही है कि वैश्य समाज की बात करें तो सांसद वैश्य कोटे से हैं, एमएलसी दिनेश गौयल वैश्य कोटे से हैं, मेयर सुनीता दयाल वैश्य कोटे से हैं और यहां तक की जीडीए बोर्ड मेंबर में भी पवन गौयल वैश्य कोटे से हैं। लेकिन ठाकुर कोटे से कोई नहीं दिखाई दे रहा है और अब महानगर अध्यक्ष पद पर मयंक गोयल की ताजपोशी के बाद ठाकुर लॉबी नाम गिना रही है और वो पूछ रही है कि हमारी भागीदारी कहां है। हम ना सरकार में हैं और ना ही संगठन में हैं। मेयर, एमएलसी, सांसद भाजपा के वैश्य समाज के हैं। कैबिनेट मंत्री से लेकर शहर विधायक ब्राह्मण समाज से हैं और राज्यमंत्री स्वतंत्र प्रभार ओबीसी कोटे से हैं। लोनी के विधायक ओबीसी समाज से हैं तो ठाकुर समाज कहां है।

जातीय संतुलन साध कर चलती है। यहां लोकसभा में ठाकुर समाज का वर्चस्व रहा है। रमेश चंद तोमर लगातार चार बार सांसद रहे। उसके बाद यहां भाजपा के तत्कालीन राष्ट्रीय अध्यक्ष राजनाथ सिंह लोकसभा का चुनाव लड़े। वो चुनाव जीते और सांसद रहे। राजनाथ सिंह जब लखनऊ शिफ्ट हो गये तो गाजियाबाद में लोकसभा पर ठाकुर कार्ड जारी रहा और यहां जनरल वीके सिंह को पार्टी ने चुनाव लड़वाया। लेकिन जनरल वीके सिंह का टिकट रोक कर भाजपा ने जब यहां से वैश्य समाज के अतुल गर्ग को विधायक होते हुए लोकसभा का

टिकट दिया तो ये आवाज अंदरखाने ठाकुर समाज में चली कि लोकसभा की भरपाई विधानसभा में होगी और शहर सीट पर जब उपचुनाव होगा तो यहां किसी ठाकुर चेहरे को मौका मिलेगा। यहां माहौल बनाने के लिए ठाकुर समाज ने विजय नगर में तिरंगा यात्रा निकाली। ठाकुरों की पंचायत भी हुई। प्रेस वार्ता भी हुई और इन सबके बीच ठाकुर समाज ने ये आवाज उठाई कि अगर विधानसभा का टिकट नहीं मिल रहा है तो महानगर अध्यक्ष का पद कंडीसर किया जाये। लेकिन जब मयंक गोयल को अध्यक्ष पद की कमान मिली तो ये आवाज ठाकुर समाज में

कौन संभालेगा ठाकुर बिरादरी की यहां पर मजबूत तरीके से कमान

करंट क्राइम। अब ये आवाज ठाकुर समाज में मजबूत तरीके से उठी है कि अब केवल गुलदस्ते देने से काम नहीं चलेगा। ये समाज भगवा सियासत में अपनी भागीदारी को लेकर सजग हो रहा है। वो ठाकुर कोटे की बात कर रहे हैं और यहां जिले में ये चर्चा है कि कौन ऐसा ठाकुर



चेहरा होगा जो मजबूत तरीके से कमान संभालेगा। कौन ऐसा ठाकुर चेहरा है जिसके नेतृत्व में बिरादरी एकसाथ आ सकती है। क्योंकि अब बिरादरी केवल घौलाना वाले टिकट पर ही फोकस नहीं कर रही है। वो जिले की संगठन में भी अपना वजूद तलाश रही है और यहां बड़ी बात ये है कि युवा शक्ति ने अंगड़ाई लेनी शुरू कर दी है। बिरादरी की बात करें तो यहां चार बार के सांसद रहे रमेश चंद तोमर का नाम आता है। रमेश चंद तोमर सियासत का एक पूरा युग देख चुके हैं। वो ठाकुर राजनीति में पश्चिमी उत्तर प्रदेश का बड़ा चेहरा हैं। राजनीति के उतार चढ़ाव जानते हैं। लेकिन उनके साथ आने वाले समय में ऐन फैक्टर आड़े आयेगा। ऐसे में यहां दूसरे चेहरे की बात करें तो ठाकुर समाज का एक ऐसा चेहरा है जिनकी टीआरपी जबरदस्त हाई है। युवाओं में एक अलग फ्रेज उन्हें लेकर रहता है। बिरादरी का सपोर्ट उन्हें मिलेगा और ये चेहरा ऐसा चेहरा है जिसे बिरादरी के साथ साथ अन्य वर्गों का भी समर्थन मिलेगा। ये चेहरा यूथ आईकॉन नीरज सिंह का है। नीरज सिंह राजनीति की पाठशाला में ही पले बढ़े हैं। सबसे बड़ी बात ये है कि वो हर काम कार्यकर्ता भाव से करते हैं। उनके पिता भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष रहे हैं मौजूदा समय में केन्द्रीय रक्षा मंत्री है। लेकिन इन सबके बावजूद भी सैंकड़ों ऐसी तस्वीरें हैं जिसमें नीरज सिंह कार्यकर्ता भाव से कार्य कर रहे हैं। नीरज सिंह जब भी गाजियाबाद आते हैं तो युवाओं का पूरा टोला उनके साथ होता है। ठाकुर राजनीति की एक बड़ी उम्मीद का नाम नीरज सिंह कहे जा सकते हैं। यहां पर ठाकुर राजनीति की बात करें तो तीसरा चेहरा मुणालिनी सिंह का आता है। मुणालिनी सिंह मिजोरम के राज्यपाल जनरल वीके सिंह की सुपुत्री हैं। उनके पिता दो बार गाजियाबाद से लोकसभा सांसद रहे हैं। मुणालिनी सिंह लगातार गाजियाबाद के टच में रहती है। वो कार्यकर्ताओं से सम्पर्क करती हैं और ठाकुर समाज से ये चेहरा भी नई उम्मीदों का आगाज हो सकता है। इसी तरह इन तीन बड़े नामों के अलावा ठाकुर समाज के कई अन्य चेहरे भी हैं जिनमें पाषंड भी है जो लगातार अपने समाज की आवाज उठाते हैं। कई अन्य युवा चेहरे हैं जो मेहनती भी हैं लेकिन बड़ी बात यही है कि नेतृत्व ऐसे हाथों में जाना चाहिए जहां पूरी बिरादरी का सपोर्ट मिले। अन्य समाज का भी सपोर्ट मिले।

सूचना : आप भी अपने जन्मदिन को विशेष बना सकते हैं। अपना फोटो नाम के साथ हमें नीचे लिखे ईमेल पर भेजें। हम उसे **दैनिक करंट क्राइम** में स्थान देंगे।
Email : currentcrimenews@gmail.com

का कप्तान भी नियुक्त किया गया। दीर्घ कप्तानी से छाप नहीं छोड़ पाई और उनकी टीम प्लांट्स टेबल में आखिरी शराबदान पर रही। कप्तानी का दबाव दीर्घित के प्रदर्शन पर देखने भी को मिला। दीर्घित का नाम इस साल ना ही सबसे ज्यादा रन बनाये जा 15 बैटर में शामिल रहा और ना ही सबसे ज्यादा वेकैट लेने वाला 15 गेंदबाजों में।



न्यूज डायरी

UNRWA बोला- फलस्तीनी बच्चों की पीढ़ी बर्बाद होने का खतरा

यूएन। संयुक्त राष्ट्र राहत और कार्य एजेंसी (UNRWA) के आयुक्त जनरल ने आगाह किया है कि फलस्तीनी शरणार्थियों के लिए फंड में कटौती पर चिंता जाहिर की है। आयुक्त जनरल फिलिप लाजारिनी ने वेतावनी दी है कि यूएन की इस एजेंसी के पतन से फलस्तीनी बच्चों की एक पूरी पीढ़ी शिक्षा से वंचित हो जाएगी। लाजारिनी ने कहा कि अगर गंभीर वित्तीय संकट जारी रहता है तो एजेंसी के पतन का खतरा सचमुच वास्तविक है। उन्होंने आगाह किया कि बच्चों की एक पीढ़ी बलि चढ़ जाएगी, वे उचित शिक्षा से वंचित रह जाएंगे। उन्होंने कहा, यूएनआरडब्ल्यू गाजा पट्टी, वेस्ट बैंक, लेबनान, जॉर्डन और सीरिया में फैले लगभग छह मिलियन फलस्तीनी शरणार्थियों के लिए 'जीवन रेखा' है। अब तक लगभग 2.60 लाख बच्चे एजेंसी के दूरस्थ शिक्षा कार्यक्रम में दाखिला ले चुके हैं।

सर्बिया के राष्ट्रपति और सरकार के खिलाफ विरोध रैली, एक लाख+ लोग शामिल हुए
सर्बिया। दक्षिण पूर्वी यूरोपीय देश सर्बिया में सरकार के खिलाफ जनाक्रोश बढ़ रहा है। राष्ट्रपति अलेक्जेंडर वुकिच और उनकी सरकार के खिलाफ महीनों से चल रहे विरोध प्रदर्शनों के अंतिम चरण में एक विशाल रैली का आयोजन हुआ। शनिवार को हुई इस रैली में कम से कम एक लाख लोग बेल्ग्रेड में एकत्र हुए। बारिश के बावजूद झंडे लहराते प्रदर्शनकारियों ने राजधानी के मुख्य इलाके को जाम कर दिया। पुलिस ने बताया कि विरोध प्रदर्शन के चरम पर 1.07 लाख लोगों की भीड़ जुटी। सर्बियाई स्वतंत्र मीडिया ने इस रैली को देश में अब तक की सबसे बड़ी रैली बताया। यह रैली राष्ट्रध्पापी भ्रष्टाचार विरोधी आंदोलन का हिस्सा थी। बता दें कि नवंबर में सर्बिया के उत्तर में एक रेलवे स्टेशन पर कक्रोट की छत गिरने से 15 लोगों की मौत हो गई थी। इसके बाद लोग सरकारी भ्रष्टार के खिलाफ आवाज उठा रहे हैं।

आयोवा और ओकलाहोमा के खिलाफ लाए गए मुकदमों को खारिज कराएगा ट्रंप प्रशासन
वाशिंगटन। ट्रंप प्रशासन ने शुक्रवार को बाइडन प्रशासन के न्याय विभाग द्वारा आयोवा और ओकलाहोमा के खिलाफ लाए गए मुकदमों को खारिज करने के लिए कदम उठाया। इन मुकदमों में राज्यों के आग्रजन कानूनों को चुनौती दी गई थी। इसके तहत किसी व्यक्ति के लिए राज्य में रहना अपराध है यदि वह अवैध रूप से अमेरिका में है। देश भर के रिपब्लिकन गवर्नर और सांसदों ने तत्कालीन राष्ट्रपति जो बाइडन पर संघीय आग्रजन कानून को लागू करने और दक्षिणी सीमा का प्रबंधन करने में विफल रहने का आरोप लगाया था। अजाब में आयोवा और ओक्लाहोमा ने ऐसे ही कानून बनाए, जो राज्य और स्थानीय अधिकारियों को उन लोगों को गिरफ्तार करने और उन पर आरोप लगाने की अनुमति देते हैं जिनके पास निर्वासन के आदेश लंबित हैं या जिन्हें पहले अमेरिका से निकाल दिया गया था या प्रवेश से वंचित कर दिया गया था।

दूरसंचार ठगी में शामिल 2,800 नागरिकों को वापस मेजा गया चीन
बीजिंग। म्यांमार- थाईलैंड सीमा पर दूरसंचार घोटाले में गिरोह का हिस्सा रहे 2,800 से अधिक चीनी दूरसंचार धोखाधड़ी संदिग्धों को मुकदमे के लिए चीन वापस भेजा गया। ये स्थानीय और विदेशी लोगों को झूठे वाद कर म्यांमार- थाईलैंड सीमा पर ले जाते थे। चीन के सुरक्षा मंत्रालय ने बताया, यह अभियान 20 फरवरी से चल रहा है। पिछले महीने, एक अदालत ने सीमा पर टेलीकॉम धोखाधड़ी के मामलों में शामिल चार दोषियों को आजीवन कारावास की सजा दी थी। यह कदम ऐसे गिरोह के खिलाफ चीन की सख्त कार्रवाई का हिस्सा है।

वित्तपोषित मीडिया संगठनों के कर्मचारियों को निकालने के आदेश पर ट्रंप के हस्ताक्षर
वाशिंगटन। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शनिवार को वॉयस ऑफ अमेरिका और अन्य सरकारी वित्तपोषित मीडिया संस्थानों में छंटनी करना शुरू कर दिया। जिसके बाद अमेरिकी मीडिया संस्थान रडओ के सभी कर्मचारियों को छुट्टी पर भेज दिया गया है। ट्रंप ने अपने प्रशासन को कई एजेंसियों के कामों को न्यूनतम करने का निर्देश दिया। जिन संस्थानों में छंटनी की गई है, उनमें यूएस एजेंसी फॉर ग्लोबल मीडिया शामिल है, जिसमें वॉयस ऑफ अमेरिका, रेडियो फ्री यूरोप और एशिया और रेडियो माटी शामिल हैं, जो क्यूबा में स्थिति भाषा के समाचार प्रसारित करता है। शनिवार की सुबह अमेरिकी सीनेट उम्मीदवार केरी लेक, जिन्हें ट्रम्प ने अपना वरिष्ठ सलाहकार नामित किया था, ने एक्स पर पोस्ट किया कि कर्मचारियों को अपना ईमेल चेक करना चाहिए। 300 कथित अपराधियों को अल सल्वाडोर निर्वासित करेगा अमेरिका ट्रंप प्रशासन वेनेजुएला के ट्रैन डे अरागुआ गिरोह के लगभग 300 कथित सदस्यों को एक वर्ष के लिए कारावास में रखने के लिए अल सल्वाडोर को 60 लाख डॉलर का भुगतान करेगा। अल सल्वाडोर के राष्ट्रपति नायब बुकेले और अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो के बीच अल सल्वाडोर की कुख्यात जेलों में प्रवासियों को रखने के समझौते के बाद यह पहली बार है, जब अमेरिका से अपराधियों को अल सल्वाडोर भेजा जाएगा। वेनेजुएला के ट्रैन डे अरागुआ गिरोह को ट्रंप आतंकी संगठन कह चुके हैं। हालांकि यह स्पष्ट नहीं है कि किस तरह से 300 लोगों की इस खूंखार गिरोह के सदस्यों के रूप में पहचान की गई है।

ऑस्ट्रेलिया में बेबी वॉम्बैट को मां से छीनने वाली इंपलुएंसर ने माफ़ी मांगी
ऑस्ट्रेलिया। ऑस्ट्रेलिया में घूमने के दौरान एक बेबी वॉम्बैट को उसकी मां से छीनने का वीडियो पोस्ट करने के बाद और रस्से लेकर लोगों की नाराजगी झेलने के बाद अमेरिका की सोशल मीडिया इंपलुएंसर सैम जॉस ने माफ़ी मांग ली है। दरअसल जोस ने एक वीडियो सोशल मीडिया पर साझा किया था, जिसमें वह एक वॉम्बैट से उसके बच्चे को दूर ले जाती दिख रही है, जिससे मां वॉम्बैट परेशान हो गई। हालांकि बाद में जोस ने बच्चे को उसकी मां के पास वापस छोड़ दिया। लेकिन इसे लेकर सोशल मीडिया पर लोगों ने नाराजगी जताई और कहा कि एक बच्चे को उसकी मां से छीनना गलत है। ऑस्ट्रेलिया के पीपुस संसत कई शीर्ष नेताओं ने भी झप पर नाराजगी जताई थी और कार्रवाई की बात कही थी। अब मामला बढ़ता देख जोस ने माफ़ी मांग ली है। जॉस ने कहा कि उसने बच्चे को चुराने या उसे नुकसान पहुंचाने के मकसद से ऐसा नहीं किया था।

पुतिन का सीक्रेट प्लान, जेलेंस्की ने कर दिया लीक, बोले- पूरी ताकत से मुकाबला करेंगे
यूक्रेन। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोडिमिर जेलेंस्की ने शनिवार को दावा किया कि यूक्रेनी सैनिक अब भी रूस के कुर्स्क क्षेत्र में रूसी और उत्तर कोरियाई सेनाओं का सामना कर रहे हैं। हालांकि, उन्होंने यह भी कहा कि रूस सुभी क्षेत्र पर हमले की योजना बना रहा है। सोशल मीडिया पर जारी एक बयान में जेलेंस्की ने कहा कि कीव के सैनिक कुर्स्क में घिरे नहीं हैं, लेकिन मॉस्को एक अलग हमले के लिए पास में अपनी सेना इकट्ठा कर रहा है। उन्होंने कहा, 'रूस की सुभी क्षेत्र पर हमला करने की मंशा है। हमें इसकी जानकारी है और हम इसका पूरी ताकत से मुकाबला करेंगे।' हजारों यूक्रेनी सैनिकों ने 2024, अगस्त में रूस के कुर्स्क क्षेत्र के लगभग 1,300 वर्ग किलोमीटर (500 वर्ग मील) क्षेत्र पर कब्जा कर लिया था। इस दौरान यूक्रेन ने कहा था कि यह कदम भविष्य की वाताओं में मोलभाव करने और रूस को पूर्वी यूक्रेन से पीछे हटने के लिए मजबूर करने का प्रयास था। हालांकि हाल के दिनों में रूसी सेना को इस इलाके में महत्वपूर्ण सफलता मिली है। रूसी सेना के अनुसार, हालिया तेज बढ़त के कारण अब यूक्रेन के पास कुर्स्क में 200 वर्ग किलोमीटर (77 वर्ग मील) से भी कम क्षेत्र शेष है। मॉस्को ने यह भी दावा किया है कि उसने इस क्षेत्र के महत्वपूर्ण शहर सुदुजा पर कब्जा कर लिया है। जेलेंस्की ने कहा, 'मैं चाहता हूं कि सभी हमारे साझेदार यह समझें कि पुतिन क्या योजना बना रहे हैं, वे किसके लिए तैयारी कर रहे हैं और वे किस बात को नजरअंदाज करेंगे।' रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने गुरुवार को कहा कि वह यूक्रेन के साथ 30 दिन के युद्धविराम के ट्रंप के प्रस्ताव का समर्थन करते हैं। हालांकि उन्होंने कुछ मुद्दों पर स्पष्टीकरण की मांग की और कुछ शर्तें भी रखीं। शनिवार को ब्रिटिश प्रधानमंत्री कीर स्टारमर ने लगभग 25 यूरोपीय नेताओं और अन्य सहयोगियों की बैठक में कहा कि युद्धविराम को स्वीकार करने के लिए पुतिन पर दबाव बढ़ाने की जरूरत होगी। जेलेंस्की ने कहा, 'रूसी सेना की तैयारियां यह दर्शाती हैं कि मॉस्को कूटनीति को नजरअंदाज करना जारी रखना चाहता है। यह स्पष्ट है कि रूस युद्ध को लंबा खींच रहा है।' अपने बयान में उन्होंने यह भी कहा कि रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण पूर्वी यूक्रेनी शहर पोक्रोवस्क के पास युद्ध की स्थिति अविश्व हो गई है और यूक्रेन ने जंग में अपनी नई घरेलू रूप से निर्मित लंबी दूरी की मिसाइल का सफलतापूर्वक इस्तेमाल किया है। कीव अपने घरेलू रक्षा उद्योग का विस्तार करने की योजना बना रहा है ताकि पश्चिमी सहयोगियों पर निर्भरता कम की जा सके, जिन्होंने उसे महत्वपूर्ण तोपखाने, वायु रक्षा और लंबी दूरी की हमरी की क्षमताएं प्रदान की हैं। जेलेंस्की के अनुसार, यूक्रेन की नई 'लॉन्ग नेच्ज़ून' मिसाइल की मार्क क्षमता 1,000 किलोमीटर (621 मील) है।

ईरान ने हूती विद्रोहियों की मदद से किया इनकार अमेरिकी हवाई हमले के बाद ट्रंप ने भी दी धमकी

वाशिंगटन। ईरान ने रविवार को फिर से इस बात से इनकार किया कि वह यमन के हूती विद्रोहियों को कोई मदद दे रहा है। यह बयान तब आया जब अमेरिका ने हूतियों के ठिकानों पर हवाई हमले किए और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने चेतावनी दी कि ईरान को हूतियों की हरकतों के लिए पूरी तरह ज़िम्मेदार ठहराया जाएगा।

हमले में 31 लोगों की मौत

यमन के हूती-नियंत्रित स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, इन हमलों में कम से कम 31 लोगों की मौत हुई, जिनमें महिलाएँ और बच्चे भी शामिल हैं। इसके अलावा 100 से अधिक लोग घायल हुए हैं। हूती विद्रोहियों ने कहा कि एक हमला उत्तरी सादा प्रांत में दो घरों पर हुआ, जिसमें चार बच्चों और एक महिला की मौत हो गई।

हूती क्यों कर रहे हैं हमले?

हूती विद्रोही लाल सागर में अंतरराष्ट्रीय जहाजों पर हमले कर रहे हैं और इस्त्राइल पर मिसाइल और



ईरान पर आरोप और इनकार

अमेरिका और अन्य देशों का आरोप है कि ईरान हूतियों को हथियार और मिसाइलें भेज रहा है। अमेरिकी नौसेना ने कई बार ईरानी हथियारों की खेप जब्त की है, जो कथित रूप से हूतियों के लिए भेजे गए थे। हालांकि, ईरानी रिवोल्यूशनरी गार्ड के प्रमुख जनरल हुसैन सलामी ने कहा कि ईरान हूतियों के हमलों में कोई भूमिका नहीं निभा रहा। उन्होंने कहा कि ईरान अपने सहयोगी समूहों की सैन्य नीतियों या फैसलों को तय नहीं करता। इस मामले में ईरानी विदेश मंत्री अब्बास अराकची ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा कि अमेरिका को हमले रोकने चाहिए और वह ईरान की विदेश नीति तय नहीं कर सकता।

डोन हमले कर चुके हैं। उनका कहना है कि वे यह सब गाजा में फलस्तीनियों के समर्थन में कर रहे हैं, जहां इस्त्राइल और हमस के बीच युद्ध चल रहा है। जनवरी में गाजा में

युद्धविराम के बाद हूतियों ने हमले रोक दिए थे, लेकिन इस महीने इस्त्राइल की तरफ से गाजा में मानवीय सहायता रोकने के बाद उन्होंने फिर से हमले शुरू करने की धमकी दी।

नाइट क्लब में लगी आग, 51 लोगों की मौत

म्यूजिक कॉन्सर्ट में आतिशबाजी से हुआ हादसा

मैसेडोनिया। उत्तरी मैसेडोनिया के दक्षिणी शहर कोकानी में रविवार सुबह एक नाइट क्लब में आग लग गई। हादसे में 51 लोगों की मौत हो गई। जबकि 100 से ज्यादा लोग घायल हो गए। बताया जा रहा है कि क्लब में एक म्यूजिक कॉन्सर्ट के दौरान आतिशबाजी चलने से हादसा हुआ। मैसेडोनिया के आंतरिक मंत्री पंचे तोशकोवस्की ने बताया रविवार सुबह नाइट क्लब पल्स में एक पॉप समूह के संगीत कार्यक्रम के दौरान आग लगी। क्लब में जाने वाले युवाओं ने आतिशबाजी चलाई। इससे क्लब की छत में आग लग गई।



सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो में क्लब के अंदर अफरा-तफरी का माहौल दिख रहा है।

मंत्री तोशकोवस्की ने कहा कि पुलिस ने एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। बताया जा रहा है कि संगीत कार्यक्रम में एक हजार से अधिक लोग

उपस्थित थे। घायलों को कोकानी के स्थानीय अस्पतालों में ले जाया गया।

क्लब से उठी आग की लपटें

आग लगने के बाद क्लब में अफरातफरी का आलम रहा। सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो में क्लब

से आग की लपटें उठती नजर आ रही हैं। बताया जा रहा है कि स्थानीय संगीत समूह की जोड़ी स्टेज पर अपनी परफॉर्मेंस दे रही थी। इस दौरान झूमते हुए कुछ युवाओं ने आतिशबाजी चलाई। इसके चलते छत में आग लगी। वीडियो में स्टेज से भी आग की लिंगारी निकलती नजर आई। सुरक्षा बल और अग्निशमनकर्मियों ने मौके पर पहुंचकर आग पर काबू पाने के उपाय किए। बताया जा रहा है कि आग इतनी विशाल थी की अग्निशमन कर्मियों ने कई घंटे तक मशक्कत की। मैसेडोनिया के अधिकारी आग लगने के कारणों की जांच कर रहे हैं।

बांग्लादेश व पाकिस्तान में अल्पसंख्यकों पर अत्याचार पर यूएन संस्था ने की चर्चा

यूएन। संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार परिषद के 58वें सत्र के दौरान जेनेवा में ग्लोबल ह्यूमन राइट्स डिफेंस में बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों पर अत्याचार विषय पर एक चर्चा आयोजित की। यह आयोजन 'ब्रोकन चेयर' स्थल पर किया गया, जहां भारत की सामाजिक कार्यकर्ता रोहिणी घावरी समेत विश्वभर के मानवाधिकार प्रतिनिधियों ने बांग्लादेश और पाकिस्तान में हिंदुओं व अन्य अल्पसंख्यक समुदायों पर बढ़ते अत्याचार पर प्रकाश डाला। यूएनलड ह्यूमन राइट्स डिफेंस (जीएचआरडी) एक अंतरराष्ट्रीय गैर-सरकारी संगठन है, जिसका मुख्यालय नॉदर्लैंड के हेग में है। यह संगठन वैश्विक स्तर पर मानवाधिकारों की वकालत और सुरक्षा के लिए समर्पित है। जातीय,



भाषाई और धार्मिक अल्पसंख्यकों के व्यापक मानवाधिकार उल्लंघन मामलों पर इसका खास ध्यान है। एनजीओ ने अपने बयान में कहा कि यह आयोजन का उद्देश्य सरकारों और वैश्विक संस्थाओं की ओर से नजरअंदाज किए जा रहे धार्मिक व जातीय अल्पसंख्यकों के संघर्ष पर ध्यान आकर्षित करना है। रोहिणी घावरी ने कहा, बांग्लादेश और पाकिस्तान में हिंदुओं के खिलाफ हिंसा चिंताजनक स्तर पर पहुंच गई है। धर्म के नाम पर लोग एक-दूसरे की हत्या कर रहे हैं। उन्होंने यूएन के

सामने लगाए गए विरोध शिविर का जिक्र करते हुए कहा कि ईसाई, बौद्ध और हिंदू समुदायों के लोग एकजुट होकर दुनिया का ध्यान खींच रहे हैं।

घावरी ने कहा, हम इन अत्याचारों को रोकने के लिए वैश्विक हस्तक्षेप की मांग करते हैं। यूएन में दुनियाभर के मानवाधिकार कार्यकर्ता अपनी आवाज बुलंद कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि बांग्लादेश में हिंदुओं की जमीनें जब्त की जा रही हैं, उनके मंदिर तोड़े जा रहे हैं और महिलाओं के साथ यौन हिंसा की घटनाएं बढ़ी हैं। पाकिस्तान में भी ईसाइयों और हिंदुओं को जबरन धर्मांतरण के लिए प्रताड़ित किया जा रहा है। जीएचआरडी ने अंतरराष्ट्रीय समुदाय से इन देशों पर दबाव बनाने और अल्पसंख्यकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने की अपील की है।

ट्रेन हाईजैक के बाद पाकिस्तानी सुरक्षा बल को ले जा रही बस में विस्फोट, पांच अधिकारियों की मौत

बलूचिस्तान। पाकिस्तान के अशांत बलूचिस्तान के नौशकी में सुरक्षा बलों को लेकर जा रही बस में विस्फोट हो गया। हमले में पांच सैन्य अधिकारियों की मौत हो गई। जबकि 12 सैन्यकर्मि घायल हो गए। मीडिया रिपोर्टों के मुताबिक मुल्तूच लिबरेशन आर्मी ने हमले की जिम्मेदारी ली है। वहीं बलूचिस्तान सरकार ने हमले की निंदा की है।

पुलिस ने बताया कि पाकिस्तानी सेना की बसें सुरक्षा बलों को लेकर जा रही थीं। स्थानीय पुलिस प्रमुख जफर जमानानी ने बताया कि बलूचिस्तान के नौशकी जिले में नौशकी-दलबंदिन राजमार्ग पर एक बस के पास सड़क किनारे बम विस्फोट हुआ। विस्फोट से पास की एक दूसरी बस भी बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। मृतकों और घायलों को पास के अस्पताल ले जाया गया।

बलूचिस्तान के मुख्यमंत्री सरफराज बुगती ने हमले की निंदा की। बलूचिस्तान सरकार के प्रवक्ता शाहिद रिंद ने कहा कि निर्दोष नागरिकों को निशाना बनाकर एक क्रूर कृत्य है। रिंद ने घायलों के शोच स्वस्थ होने की प्रार्थना की और मृतकों के परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त



ट्रेन कर ली गई थी हाईजैक

मौलवार को क्वेटा से पेशावर के लिए रवाना हुई जफर एक्सप्रेस को विद्रोहियों ने गुडलार और पीरू कुमरी की पहाड़ी इलाकों के पास एक सुरंग में बंधक बना लिया था। विद्रोहियों ने पटरी को उड़ा दिया और ट्रेन के रुकते ही उस पर कब्जा जमा लिया था। नौ डिब्बों की ट्रेन में 400 से अधिक यात्री सवार थे। बीवेलप ने हमले की जिम्मेदारी ली थी और 214 यात्रियों को बंधक बनाने का दावा किया था। विद्रोहियों ने जब ट्रेन पर हमला किया था तब 21 यात्रियों की हत्या कर दी थी। जवाब में सुरक्षा बलों ने अभियान चलाकर सभी 33 हमलावरों को मार गिराया था।

की। रिंद ने कहा कि शत्रु तत्व देश को अस्थिर करने की कोशिश कर रहे हैं। आतंक के जरिये किया जा रहा है कि हमला बलूच लिबरेशन दुख की इस घड़ी में प्रभावित परिवारों के साथ

खड़े हैं। किसी संगठन ने हमले की जिम्मेदारी नहीं ली है। हालांकि मीडिया रिपोर्ट में दावा किया जा रहा है कि हमला बलूच लिबरेशन आर्मी ने कराया है।

धरती से आए साधियों को देख खुशी से झूम उठीं सुनीता



नासा। अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा के लंबे समय से फंसे अंतरिक्ष यात्रियों बुच विल्मोर और सुनीता विलियम्स के स्थान पर अन्य अंतरिक्ष यात्रियों को तैनात करने के लिए एक दिन पहले रवाना हुआ स्पेसएक्स का यान रविवार को अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन पहुंच गया।

इसके साथ ही विलियम्स और विल्मोर की वापसी का रास्ता साफ हो गया। अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन पहुंचे चार नए अंतरिक्ष यात्री अमेरिका, जापान और रूस का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं। वे कुछ दिन विलियम्स और विल्मोर से स्टेशन के बारे में जानकारी प्राप्त करेंगे।

माना जा रहा है कि अगर मौसम सही रहा तो दोनों फंसे अंतरिक्ष यात्रियों को अगले सप्ताह फ्लोरिडा के तट के निकट जलक्षेत्र में उतारा जाएगा। विल्मोर और विलियम्स बोइंग के नए स्टारलाइनर के फ़्पलू से पांच जून को केप कैनवेरल से रवाना हुए थे।

दोनों एक सप्ताह के लिए ही गए थे लेकिन अंतरिक्ष यान से हीलियम के रिसाव और वेग में कमी के कारण ये लगभग नौ माह से अंतरिक्ष स्टेशन में फंसे हुए हैं।

अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी के केनेडी अंतरिक्ष केंद्र से रवाना हुए अंतरिक्ष यात्रियों के नए दल में नासा से ऐनी मैक्लेन और निकोल एयर्स शामिल हैं। वे दोनों सैन्य

पायलट हैं। इनके अलावा जापान के ताकुया ओनिशी और रूस के किरिल पेस्कोव भी रवाना हुए हैं और दोनों विमानन कंपनियों के पूर्व पायलट हैं। वे चारों लोग विल्मोर और विलियम्स के धरती के लिए रवाना होने के बाद अगले छह महीने अंतरिक्ष स्टेशन में बिताएंगे, जिसे सामान्य अवधि माना जाता है।

विल्मोर ने रविवार को अंतरिक्ष स्टेशन का हैच खोला और इसके बाद एक के बाद एक चारों नए यात्री अंदर आए। अंतरिक्ष में पहले से मौजूद अंतरिक्ष यात्रियों ने अपने नए साथियों का स्वागत उनसे गले मिलकर और हाथ मिलाकर किया। विलियम्स ने मिशन कंट्रोल से कहा, यह एक शानदार दिन था। अपने दोस्तों को यहां देखकर बहुत खुशी हुई।

अमेरिका में तूफान ने मचाई तबाही, 32 लोगों की मौत; हजारों घरों को भारी नुकसान



दुर्घटनाओं में सात लोगों की मौत हो गई। इससे पूर्व मिसौरी प्रांत राजमार्ग गश्ती दल ने बताया कि मिसौरी के बेकर्सफील्ड क्षेत्र में आये तूफान के कारण कम से कम दो लोगों की मौत हो गई और कई अन्य घायल हो गये।

मिसौरी के बटलर काउंटी के कोरोनर जिम एक्स ने बताया कि शनिवार को सुबह बेकर्सफील्ड से लगभग 177 किलोमीटर पूर्व में एक मकान के तूफान के चपेट में आने से एक व्यक्ति की मौत हो गई। एक्स ने

बताया कि बाचावकर्मी मकान में मौजूद एक महिला को बचाने में सफल रहे।

मेयर जोनास एंडरसन ने शनिवार सुबह सोशल मीडिया पर बताया कि अकंसांस के केव सिटी इलाके में पांच लोग घायल हो गए हैं, जहां अगले आदेश तक आपातकाल लागू कर दिया गया है। ओक्लाहोमा के कुछ समुदायों के लोगों को श्वेतों से जाने की सलाह दी गई है क्योंकि राज्यभर में आग लगने की 130 से अधिक घटनाएं सामने आईं।

ट्रंप ने सरकार को छह महीने के वित्तपोषण वाले विधेयक पर किए हस्ताक्षर, शटडाउन का टला खतरा

वाशिंगं। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सितंबर के अंत तक सरकार को वित्तपोषित करने वाले विधेयक पर हस्ताक्षर कर दिए हैं, जिससे फिलहाल सरकारी शटडाउन का खतरा टल गया है और कांग्रेस में चल रहा संघर्ष समाप्त हो गया है। इस मुद्दे पर डेमोक्रेट्स के बीच भी मतविभाजन दिख रहा था। व्हाइट हाउस के प्रधान उप प्रेस सचिव हैरिसन फील्ड्स ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि ट्रम्प ने शनिवार को सतत प्रस्ताव पर हस्ताक्षर किए। इस विधेयक में सरकारी वित्तपोषण को मोटे तौर पर जो बाइडन के राष्ट्रपतित्व काल के दौरान निर्धारित स्तर पर ही रखा गया है। हालांकि इसमें कुछ बदलाव भी किए गए हैं। इसमें पिछले वर्ष की तुलना में गैर-रक्षा व्यय में लगभग 13 बिलियन अमेरिकी डॉलर की कटौती की गई है तथा रक्षा व्यय में लगभग 6 बिलियन अमेरिकी डॉलर का मजबूती परिवर्तन है। सीनेट ने शुक्रवार को 54-46 पाटी लाइन वोट से विधेयक को मंजूरी दे दी, जिसमें सीनेट डेमोक्रेटिक कॉंकस के 10 सदस्यों ने अपनी पार्टी के भीतर विरोध के

बावजूद विधेयक को पारित करने में मदद की। सीनेट डेमोक्रेट्स ने कई दिनों तक इस वाद पर बहस की कि क्या शटडाउन बढ़ावा दिया जाए, क्योंकि सदन में रिपब्लिकन ने उनके इन्पुट के बिना ही खर्च के उपाय का मसौदा तैयार किया और उसे पारित कर दिया। डेमोक्रेट्स ने कहा कि यह कानून स्वास्थ्य सेवा, आवास और अन्य प्राथमिकताओं को कमतर तरीके से पर एक पोस्ट में कहा कि ट्रम्प ने शनिवार को सतत प्रस्ताव पर हस्ताक्षर किए। इस विधेयक उनका प्रशासन और सरकारी दक्षता विभाग कांग्रेस की ओर से स्वीकृत एजेंसियों और कार्यक्रमों को तेजी से खत्म कर रहा है। अंत में, अधिकांश डेमोक्रेटिक सीनेटों ने यह निर्णय लिया कि सरकार को बंद करना वित्त पोषण विधेयक को पारित करने से भी अधिक बुरा होगा। सीनेट के डेमोक्रेटिक नेता चक शुमर ने कहा कि शटडाउन से ट्रम्प प्रशासन को संपूर्ण एजेंसियों, कार्यक्रमों और कर्मियों को गैर-आवश्यक मानने की क्षमता मिल जाएगी, और कर्मचारियों को बिना किसी वादे के छुट्टी पर भेज दिया जाएगा कि उन्हें फिर से काम पर रखा जाएगा।



नवनियुक्त भाजपा महानगर अध्यक्ष मयंक गोयल को मिली बधाइयां



गाजियाबाद (करंट क्राइम)। रविवार को भारतीय जनता पार्टी के जिला एवं महानगर अध्यक्षों की घोषणा का लैटर जारी हुआ, जिसमें गाजियाबाद भाजपा महानगर अध्यक्ष पद पर मयंक गोयल को जिम्मेदारी सौंपी गई है। राजनगर एक्सटेंशन स्थित कार्यक्रम के दौरान मयंक गोयल के नाम की घोषणा होने के बाद उनको बधाइयां एवं शुभकामना देने वालों का तांता लग गया। सांसद सिद्धार्थ सिंह ने उनके नाम की घोषणा की तो इस मौके पर गाजियाबाद के सांसद अतुल गर्ग, मुरादनगर विधानसभा सीट से विधायक अजीत पाल त्यागी, पूर्व मेयर अशु वर्मा, बलदेवराज शर्मा, राजेंद्र त्यागी, अशोक गोयल, अजय शर्मा, सरदार एसपी सिंह, पृथ्वी सिंह कसाना, मानसिंह गोस्वामी, पप्पू पहलवान, बॉबी त्यागी, रनिता सिंह सहित सैकड़ों भाजपा कार्यकर्ता एवं पदाधिकारी मौजूद रहे।





श्री मयंक गोयल जी को

महानगर अध्यक्ष

बनाये जाने पर

हार्दिक बधाई




संजय कश्यप
सीएमडी
सेंटर फॉर वाटर पीस

सत्येन्द्र सिंह
पर्यावरणविद
चेयरमैन - उत्थान समिति